सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप किसी व्यक्ति से उसकी भाषा में बात करें जो वो समझता है, तो बात उसके सिर में जाती है, यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं, तो बात उसके दिल तक जाती है।
–नेल्सन मंडेला

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 128 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 13 जून, 2025

तीन सौ विकेट लेने वाले 8वें कंगारू... 7 | 2027 से पहले बदलेंगे सियासी... 3 | सपा की नई रणनीति, मजलूमों के... 2

ईरान पर इजरायल का अब तक का सबसे बड़ा हमला

ईरान को भारी नुकसान, आपातकाल लागू, एयर स्पेस बंद

» जवाबी हमले की तैयारी में जुटा ईरान, अमेरिका ने खुद को इस हमले से किया अलग

» भारत ने जारी की ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइजरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। ईरान के न्यूक्लियर शोध केंद्र नैटैंज़ प्रमुख बैलिस्टिक मिसाइल स्टॉक्स और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के टॉप कर्नल को निशाना बना कर इजरायल ने ईरान पर अबतक का सबसे बड़ा और क्रूर हवाई हमला कर दिया है। इजरायल ने इस हमले को आपरेशन राइजिंग लॉयन का नाम दिया है।

इस हवाई हमले से ईरान को जबर्दस्त नुकसान की संभावना जताई जा रही है। ईरान में आपताकाल लागू कर दिया गया है और हवाई स्पेस को बंद कर दिया है। सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह खामनेई ने हमले को ज़ायनिस्ट रेगाइम की एक घातक गलती करार दिया है और कहा है कि यह हमला इजरायल के लिए कड़वा दर्दनाक अंजाम होगा। उन्होंने इजरायल को गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा है।

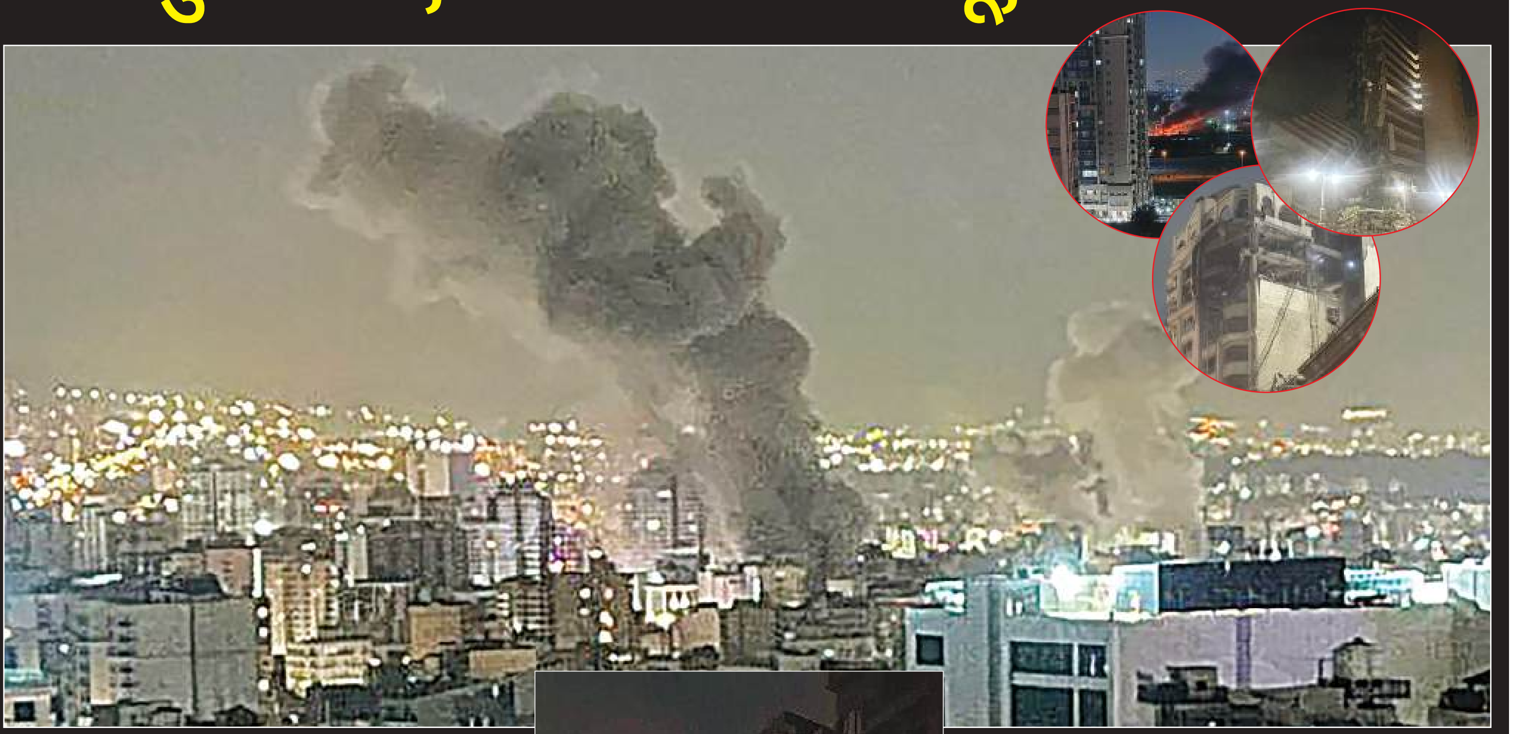

ऑपरेशन राइजिंग लॉयन

इज़रायल डिफेंस फोर्स के प्रवक्ता एवी डॉफ्रिन ने बताया कि इज़रायली वायुसेना ने ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए सटीक और पूर्व नियोजित हमले किए। इस कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य ईरान की भविष्य में परमाणु हथियार विकसित करने की क्षमता को रोकना है। प्रवक्ता ने साफ कहा कि हमारे पास अब कोई और विकल्प नहीं था। हम ईरानी शासन को परमाणु हथियार हासिल करने की इजाजत नहीं दे सकते। यह सिर्फ इज़रायल ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है।

इजरायल का इरादा

इजरायल का इरादा स्पष्ट है वह ईरान को इतना ध्वस्त कर देना चाहता है कि भविष्य में ईरान पुनर्निर्माण ना कर पाए। आईडीएफ प्रमुख की माने तो इजरायल ने लाखों सैनिकों की सेना को तैनात कर दिया है उसका साफ कहना है कि कि जो कोई भी चुनौती देगा उसकी खैर नहीं होगी।

अमेरिका ने खुद को किया अलग

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि यूएस ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं है। 'द व्हाइट हाउस' के 'एक्स' हैंडल पर विदेश मंत्री के हवाले से लिखा गया है? कि इजरायल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। हम ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सेना की सुरक्षा करना है।

एडवाइजरी जारी : आफिशियल सोर्स पर ही करें भरोसा

ईरान और इराक जाने वाले यात्रियों के लिए आईजीआईए की ओर से एडवाइजरी जारी की गयी है। आईजीआईए ने यात्रियों को सलाह दी है कि वह जिस एयरलाइन से उड़ान भर रहे हैं उससे लेटेस्ट शेड्यूल और अपडेट के बारे में जानकारी लें। आईजीआईए की ओर से यह सलाह ईरान और इजरायल के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच आई है। आईजीआईए ने एडवाइजरी में कहा है कि दिल्ली में परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है। हालांकि, ईरान, इराक और पड़ोसी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों के चलते कुछ उड़ानों के शेड्यूल प्रभावित हुए हैं।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह अपनी उड़ानों के बारे में लेटेस्ट अपडेट के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। हम सभी यात्रियों से आग्रह करते हैं कि वह सटीक और लेटेस्ट जानकारी के लिए केवल ऑफिशियल सोर्स पर ही भरोसा करें। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से ऑफिशियल चैनल्स के जरिए से अपडेट रहने और किसी भी आपात स्थिति में मिशन के संपर्क में रहने का भी सलाह दी है। यह सलाह इजरायल के ईरान पर 'प्रीएम्प्टिव स्ट्राइक' (अचानक किया गया हमला) करने के बाद विशेष आपातकाल की घोषणा के बाद जारी की गई है।

उड़ानों का रूट डायवर्जन

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा है कि ईरान में मौजूदा स्थिति के कारण वहां के हवाई क्षेत्र को बंद करने और हमारे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयर इंडिया की उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है या उन्हें वापस भेजा जा रहा है। एयर इंडिया ने प्रभावित उड़ानों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि कौन–सी उड़ानों का रूट बदला गया है और कौन–सी उड़ानें वापस लौट रही हैं।

शेयर बाजार लाल

इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट देखी गई। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी, वित्तीय सेवा और पीएसयू बैंक सेक्टर में भारी बिकवाली देखी गई। विश्लेषकों ने कहा है कि इजरायल द्वारा किया गया हमला और जवाबी हमला लंबे समय तक खिचता है तो इसके भारतीय शेयर बाजारों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इस इजरायली हमले के आर्थिक परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं। इजरायल ने घोषणा की है कि यह ऑपरेशन कई दिनों तक चलेगा।

सपा की नई रणनीति, मजलूमों के आंसू पोछने की कोशिश

पार्टी प्रतिनिधिमंडल भेज कर भुक्तभोगी परिवारों के दुखों में शामिल हो रही है सपा

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव कमजोरों के साथ

» हरदोई और कौशाम्बी के पीड़ित परिवारों से मिला सपा का डेलीगेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी छवि को बल देने और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को रणनीतिक रूप से मजबूत करने के लिए मजलूमों के आंसू पोछने की नई पहल शुरू की है। इस रणनीति का मकसद किसानों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का व्यापक समर्थन हासिल करना है जिसे उन्होंने अपने पिछड़ा, दलित ,अल्पसंख्यक फॉर्मूले के जरिए मजबूत किया जा सके।

कहा जा रहा है कि संगठन स्तर पर बूथ-स्तर से लेकर जिले तक कार्यकर्ता सक्रिय हो चुके हैं और पार्टी ने पंचायत चुनावों को सेमी-फाइनल बताकर पूरे यूपी में फील्डवर्क तेज कर दिया है। यह एक रणनीति है जिसका मकसद स्पष्ट रूप से 2027 की विधानसभा जीत को प्राथमिकता देना है ।

जमीन पर कार्य शुरू

सपा ने पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक रणनीति को सिर्फ घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा है बल्कि इसे जमीन पर उतरकर लागू करना शुरू कर दिया है। इसमें दलितों के समर्थन के लिए लगातार जनपद दौरे, अल्पसंख्यक और पिछड़ों के साथ मुलाक़ातें और खेत-खलिहानों में जाकर संवाद शामिल हैं । अखिलेश यादव ने दावा किया है कि भाजपा पूरी तरह से पीडीए समीकरण से भयभीत है, जिस कारण पुलिस और प्रशासन को विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है ।

हारदोई और कौशांबी पहुंचा सपा प्रतिनिधिमंडल

इस नई रणनीति के तहत सपा ने एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जो सीधे उत्तर प्रदेश के दो ज़िलों हारदोई और कौशांबी में पीड़ित परिवारों से मिले पार्टी ने कहा है कि इस कदम का मकसद केवल चुनावी रैली भरना नहीं बल्कि वास्तविक तौर पर जनता के दुख बेचैनी में शामिल होना भी है।समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल ने हरदोई जनपद के मल्लावां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मक्कापुरवा कटरी परसोला में सूरजबली राजपूत की पत्नी श्रीमती रामश्री की दबंग व्यक्ति द्वारा दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या तथा मल्लावां के ग्राम जरेरा बाबतमऊ में श्री नौरंग राजपूत की पुत्री कु. संगीता राजपूत की गोली मारकर हत्या किये जाने की घटना की जांच की और महिलाओं-बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने की घटना से पीड़ित परिवारों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल जनपद कौशाम्बी पहुंचा। जहां उसने थाना सैनी, तहसील सिराथू, ग्राम लोहदा निवासी छोटका तिवारी उर्फ रामबाबू की आत्महत्या किये जाने की घटना की जानकारी ली और शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमण्डल में डॉ0 मान सिंह यादव एम0एल0सी0, पवन पाण्डेय पूर्व मंत्री उ0प्र0 सरकार, सन्तोष पाण्डेय पूर्व विधायक, दयाशंकर यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी कौशाम्बी, शिवमूर्ति सिंह राना प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी उ0प्र0 सहित शहनवाज अहमद विधान सभा अध्यक्ष सिराथू शामिल रहे।

हम दोनों हमेशा साथ थे : अशोक गहलोत

» सचिन पायलट के साथ दूरियां कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। राजस्थान की सियासी रणभूमि में एक बार फिर तापमान में बदलाव आ गया है। मौका था स्व. राजेश पायलट की पुण्यतिथि का, लेकिन चर्चा का केंद्र बन गए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बिगड़े रिश्ते, जो इस कार्यक्रम में सुलझते नजर आए। सभा स्थल से बाहर आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान ने सभी को चौंका दिया।

दरअसल ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिस मंच से कभी गहलोत ने सचिन पायलट को पार्टी विरोधी करार दिया था, उसी मंच से उन्होंने अपने पुराने शिष्य के लिए प्रेम और सौहार्द का राग अलापा। गहलोत ने मीडिया की उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें उनकी और पायलट की अनबन की बातें कही जाती रही थीं। उन्होंने बड़े नाटकीय अंदाज में कहा- मैं और पायलट कब अलग थे? हम तो हमेशा से साथ थे और दोनों में खूब मोहब्बत भी है, ये तो मीडिया ही अनबन की खबरें चलाता रहता है। गहलोत के इस बयान के बाद कार्यक्रम में मौजूद भीड़ में खुसर-पुसर शुरू हो गई। लोगों के चेहरे पर एक ही सवाल था कि क्या वाकई में दूरियां मिट गईं? या ये सिर्फ एक सियासी दांव है? जिन अशोक गहलोत ने पायलट को खुलेआम पार्टी विरोधी करार दिया था, वे आज मोहब्बत की बात कर रहे हैं। गहलोत का ये बयान एक तरफ जहां पायलट समर्थकों के लिए राहत भरा था, वहीं दूसरी तरफ सियासी दिग्गजों को सोचने पर मजबूर कर गया।

पायलट खेमा मौन लेकिन अंदरखाने खुशी

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम पर सचिन पायलट की तरफ से कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन उनके खेमे में खुशी की लहर साफ देखी जा सकती है।

गहलोत के इस बयान को पायलट के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से जो तल्खी दोनों नेताओं के बीच बनी हुई थी, उसे कुछ हद तक कम करने का श्रेय गहलोत के इस बयान को दिया जा रहा है।

केंद्र सरकार का दो करोड़ रोजगार का वादा पूरी तरह खोखला : सैलजा

» भाजपा पर बरसीं कांग्रेस नेता, हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत (हरियाणा)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए हैं। केंद्र सरकार के 11 साल पूरे हो गए है। मौजूदा सरकार को इस बार स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिला, लेकिन वह ऐसा प्रदर्शित कर रहे हैं जैसे 370 सांसदों के साथ सत्ता में आए हों। दो करोड़ रोजगार देने का वादा भी खोखला साबित हुआ।

उन्होंने संत कबीर दास की जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और संत कबीर के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। सांसद सैलजा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर जुबानी हमला करते हुए कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर है और नशे पर रोक लगाने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। देश की अर्थव्यवस्था को केवल कागजों में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया गया है, जबकि जमीनी हकीकत इससे अलग है।

एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबा रही है बीजेपी

राहुल गांधी के चंडीगढ़ दौरे को लेकर कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी स्पष्ट कर चुके हैं कि जो भी पार्टी को आगे ले जाएगा, वही उनके साथ रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ईडी और अन्य जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबा रही है। उन्होंने कहा कि संगठन की कमजोरी का असर दिखा, लेकिन अब पार्टी में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

किसानों के मुद्दे पर कुमारी सैलजा ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के नाम पर किसानों के साथ वादाखिलाफी की गई है। शिक्षा व्यवस्था भी लगातार कमजोर होती जा रही है, जिससे देश को बड़ा नुकसान हुआ है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के अपने नेता रामकुमार गौतम और कई मंत्री भी यह मान रहे हैं कि उनके काम नहीं हो रहे हैं। वर्तमान सरकार में अफसरशाही हावी है और ऐसा लगता है जैसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी नियंत्रण नहीं चल रहा है।

कांग्रेस नेता नाना पटोले के बिगड़े बोल, कहा- ऑपरेशन सिंदूर बच्चों का कंप्यूटर गेम

» कांग्रेस नेता के बयान पर शिवसेना का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने ऑपरेशन सिंदूर की तुलना बच्चों के वीडियो गेम खेलने से करके विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने सरकार पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार हितों के कारण सैन्य मिशन को रोकने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए पटोले ने कहा,पहलगाम में 26 महिलाओं के सिंदूर मिटा दिए गए और इसके लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का अभी तक पता नहीं चला है। उन्होंने सरकार के संकल्प पर सवाल उठाते हुए कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान को समय से पहले ही रोक दिया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को

व्यापारिक हितों के लिए रोका गया था। ट्रंप ने एक दर्जन बार कहा कि दोनों देशों के साथ व्यापार बंद हो जाएगा, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया। यह उनके इशारे पर किया गया था। पटोले ने फिर एक नाटकीय तुलना की। उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर बिल्कुल वैसा ही था जैसे बच्चे कंप्यूटर रूम में वीडियो गेम खेल रहे हों - यह उससे ज़्यादा कुछ नहीं था।

विवाद की संतान हैं पटोले : शाइना एनसी

पटोले की टिप्पणियों की तीखी आलोचना हुई, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने उन्हें विवाद की संतान कहा। शाइना एनसी ने कहा कि केवल नाना पटोले जैसी नीच मानसिकता और नीच विचार प्रक्रिया ही यह सुझाव दे सकती है कि ऑपरेशन सिंदूर एक वीडियो गेम था। बेतुकी टिप्पणियां करना और झूठी कहानियां गढ़ना कांग्रेस पार्टी की योजना रही है। ऑपरेशन सिंदूर भारत सरकार द्वारा आतंकवाद को खत्म करने का एक ठोस प्रयास था।

भाजपा लोगों की सुरक्षा में नाकाम : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एकबार फिर कहा कि पहलगाम हमले के बाद पीओके पर कब्ज़ा करने का मौक़ा था, क्योंकि सशस्त्र बलों में वीरता दिखाई थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने पहलगाम हमले पर एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सशस्त्र बलों की प्रशंसा की गई।

बनर्जी ने कहा कि चुनाव से पहले पुलवामा नहीं होना चाहिए, जिस पर भाजपा विधायकों ने उनकी टिप्पणियों के बाद विरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव से पहले पुलवामा नहीं होना चाहिए, जो किसी गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। बनर्जी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के पास 'पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को नियंत्रण में लेने का अवसर था।'बनर्जी ने कहा कि हम आतंकवाद का समर्थन नहीं करते।

2027 से पहले बदलेंगे सियासी समीकरण

साक्षी महाराज की नाराजगी पड़ेगी भारी!

» लोध वोटों की ताकत का है सभी को अंदाजा

» भाजपा व सपा में बढ़ेगी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव में अभी पूरे दो साल बचे है। पर राज्य की राजनीति में हालात रोज करवट बदल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में 37 सीट पाकर जहां सपा के तेवर बढ़े हुए हैं वही 6 सीटे कब्जे में लेकर कांग्रेस भी जोश में वह आने वाले चुनाव अपने दम पर जीतने की तैयारी कर रही है वहीं बसपा अपने को फिर राज्य की राजनीति बनाए रखने के लिए संगठन में ऊपर से नीचे ते बदलाव तक कर रही है इस बीच मायावती के भतीजे व पार्टी के प्रमुख नेता आकाश आनंद पार्टी को फिर रिवाइव करने पर ध्यान दे रहें है।

उधर सपा मुखिया अखिलेश यादव पीडीए के फार्मूले से विस सभा की जंग जीतने की पूरी तैयारी में जुटें हैं। वह इसी मारक यंत्र से भाजपा को चित भी करना चाहते हैं। इसीलिए वह समय-समय पर भाजपा से नाराज इस वर्ग के नेताओं को अपने पाले में करने के लिए कोई भी जुगत लगाने को तैयार रहते हैं। इस सबसे इतर भाजपा मंदिर, हिंदुत्व व विरासत के सहारे ही चुनावी वैतरणी पार करने के लिए तत्पर दिख रही हैं।

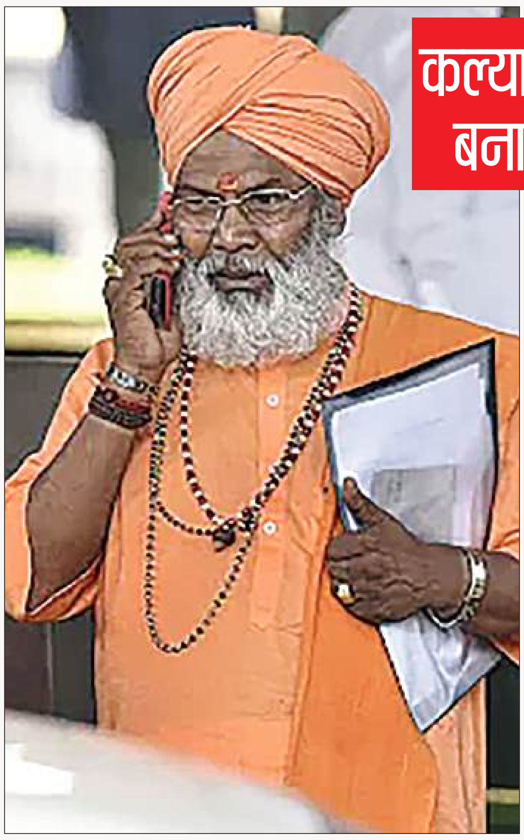

कल्याण सिंह नहीं होते किसी में राम मंदिर बनाने का दम नहीं था : साक्षी महाराज

दरअसल पिछले दिनों भाजपा सांसद साक्षी महाराज यूपी के एटा पहुंचे थे जहां उन्होंने पूर्व सीएम कल्याण सिंह की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उनकी नाराजगी दिखाई दी। साक्षी महाराज ने कल्याण सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि अगर वो नहीं होते किसी में राम मंदिर बनाने का दम नहीं था। विवादित ढांचा गिरने के समय उन्होंने ही कार सेवकों पर गोली नहीं चलाने का फैसला लिया था।

बीजेपी के ओबीसी वोटरों में सेंध लगाने की कोशिश

अखिलेश यादव की पोस्ट को उनके पीडीए के फॉर्मूले को मजबूती देने से जोड़कर देखा जा रहा है ताकि 2027 से पहले बीजेपी के ओबीसी वोटरों में सेंध लगाई जा सके। लोधी समाज के लोग लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े रहे हैं. लेकिन जिस तरह से साक्षी महाराज का दर्द छलका है वो भाजपा के लिए भारी पड़ सकता है।

लोधी समाज के वोट पर नजर

साक्षी महाराज ने इस दौरान बीजेपी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कल्याण सिंह के निधन और उमा भारती के जाने के बाद लोधी समाज को सत्ता और संगठन में सम्मानजनक साझेदारी नहीं दी गई। साक्षी महाराज के इस बयान के बाद उनकी नाराजगी को लेकर खबरें तेज

हो गई हैं। बता दें यूपी में 5.10 फीसद लोधी वोट हैं. जो प्रदेश की 70 विधानसभा और 12 लोकसभा सीटों पर प्रभाव रखते हैं।

'पीडीए' ही स्वाभाविक और स्थायी पड़ाव है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सांसद साक्षी महाराज का नाम लिए बिना एक्स पर पोस्ट किया और लिखा-भाजपा में जो लोग अपने समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किये जाने के बाद उपेक्षित किये जाने के 'साक्षी' हैं, वो जब सच्चे मन से बोलते हैं तो सच ही बोलते हैं। उनके बयान और भाषण भाजपा को अंतिम चुनौती नहीं हैं बल्कि भविष्य का उद्घोष हैं क्योंकि वो भी

जानते हैं कि 'पीडीए' ही उनका स्वाभाविक और स्थायी पड़ाव है, जहाँ हर पीडीए से सच्चा लगाव है बाकी क्या कहना, वह स्वयं और उनका समाज स्वयं ही अपने मान-सम्मान को लेकर बेहद जागरूक, सक्रिय और समझदार है।

भाजपा से नाराज हैं साक्षी महाराज

उत्तर प्रदेश की उन्नाव सीट से बीजेपी सांसद साक्षी महाराज ने लोधी समाज को सत्ता और संगठन में सम्मानजनक भागीदारी नहीं दिए जाने पर नाराजगी जताई है। साक्षी महाराज के इस बयान के बाद कयास लग रहे हैं कि क्या लोधी समाज बीजेपी से नाराज होकर टूट सकता है? जिसके बाद अब इस मामले पर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। उन्होंने साक्षी महाराज का नाम लिए बिना कहा कि बीजेपी में जो लोग खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं वो जानते हैं कि उनका अंतिम पड़ाव पीडीए हैं।

दक्षिण में कमल की राह नहीं आसान

» भाजपा को कड़ी चुनौती देगी डीएमके

» शाह-मोदी के दौरों से नहीं घबराएंगे स्टालिन

» एनडीए दक्षिणी राज्य में सत्ता में आएगा : शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में अपने पांव जमाने की कोशिश में जुटी भाजपा किसी न किसी तरह से वहां पर सियासी जमीन बनाने में लगी है। इसी के मद्दे नजर भाजपा के दिग्गज नेता मोदी व शाह राज्य का दौरा करने में पीछे नहीं हटती। जब मौका मिलता दोनों नेता राज्य के दौर पर जाकर वहां की डीएमके सरकार को घेरने का काम करने में पीछे नहीं रहतीं हैं। अभी हाल में भाजपा ने शाह ने राज्य के दौरे के दौरान कहा कि डीएमके के दिन गिने-चुने रह गए हैं, तमिलनाडु में 2026 में एनडीए सरकार बनाएगी। उनके इस बयान के बाद डीएमक नेताओं ने चुनौती देते हुए कहा कि राज्य में भाजपा को जमने नहीं देंगे।

आपको बता दें लोक सभा चुनाव में भाजपा को सीट तो नहीं मिली लेकिन वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा को आगे करने में अन्नामलाई का विशेष योगदान है। आने वाले समय में पता चलेगा अन्नामलाई के जाने के बाद पार्टी पर कोई प्रभाव पड़ता है की नहीं । शाह ने कहा कि वमदुरै एक ऐसा शहर है जो कई बदलावों का संकेत देता है... मैं जहां भी हूं, मैं हमेशा तमिलनाडु की बात सुनता हूं। उन्होंने कहा कि उनके शब्द राष्ट्रीय मिसालों के वजन के साथ आए हैं। मदुरै में पार्टी कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले पूरा दम लगाने का जोरदार आह्वान किया। राज्य को एक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र के रूप में पेश करते हुए, शाह ने घोषणा की कि सत्तारूढ़ द्रमुक के दिन गिने-चुने रह गए हैं, और भाजपा और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दक्षिणी राज्य में सत्ता में आएगा। शाह ने कहा कि यह बैठक बदलाव लाने वाली है - द्रमुक सरकार का अंत। शाह ने कहा कि वमदुरै एक ऐसा शहर है जो कई बदलावों का संकेत देता है... मैं जहां भी हूं, मैं हमेशा तमिलनाडु की बात सुनता हूं। उन्होंने कहा कि उनके शब्द राष्ट्रीय मिसालों के वजन के साथ आए हैं। शाह ने कहा कि 2024 में, जब मोदी तीसरी बार दिल्ली में सत्ता में आए, तो हमने ओडिशा में भी पूरी ताकत से सत्ता हासिल की। 2025 में, दिल्ली में,क्क को हराया गया और भाजपा की सरकार बनी। इसी तरह, भाजपा 2026 में तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है।

शाह का मुख्यमंत्री स्टालिन पर सीधा निशाना

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर सीधा निशाना साधते हुए शाह ने कहा, यहां के सीएम कहते हैं कि अमित शाह डीएमके को नहीं हरा सकते। हां, कोशिश करें - लेकिन राज्य के लोग आपको हरा देंगे। मेरे लंबे राजनीतिक जीवन में, और जैसा कि मैं लोगों की नब्ज जानने में सक्षम हूं, मैं कह रहा हूं कि तमिलनाडु के लोग आगामी चुनावों में डीएमके को हराने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के अपने भाजपा कार्यकर्ताओं से माफी मांगता हूं क्योंकि मैं उनसे भारत की सबसे महान भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता, और दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट का स्वागत किया।

द्रविड़ राजनीति में एक विचार धारा

उन्होंने द्रविड़ दर्शन का हवाला देते हुए कहा, (आप प्रमुख) अरविंद केजरीवाल (दिल्ली में) सत्ता में कैसे आए - उन्होंने केवल भ्रष्टाचार का विरोध किया, क्या उनके पास कोई विचारधारा थी, क्या उनके पीछे कोई नेता थे। हम अमित शाह और मोदी से नहीं डरते - आखिरकार, वे साधारण व्यक्ति हैं। उनके पीछे की राजनीतिक विचारधारा हर जगह आक्रमण कर रही है और जीत रही है, लेकिन वह यहां क्यों नहीं जीत पा रही है। क्योंकि हमारे पास उस विचारधारा का विकल्प है। उन्होंने कहा कि जब तक द्रविड़ विचारधारा है, वे तमिलनाडु में पैर नहीं जमा सकते। हम दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा नहीं हैं। हम तमिलनाडु हैं, हम द्रविड़ हैं, (भाजपा) यहां नहीं आ सकती।

हम मोदी-शाह को राज्य में टिकने नहीं देंगे : ए राजा

डीएमके के वरिष्ठ नेता ए राजा ने कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे आम लोगों से नहीं डरती और उनके पास भाजपा के विपरीत विचारधारा है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि भगवा पार्टी तमिलनाडु में पैर न जमा पाए। मदुरै में अमित शाह द्वारा सत्तारूढ़ डीएमके की आलोचना के जवाब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजा ने दावा किया कि विभिन्न मुद्दों पर भाजपा के दिग्गज नेता की टिप्पणियां सरासर झूठ, घृणित और विभाजनकारी हैं। लोकसभा सांसद ने जोर देकर कहा कि भाजपा तमिलनाडु में पैर नहीं जमा सकती, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, दिल्ली या महाराष्ट्र के विपरीत, क्योंकि द्रविड़ विचारधारा भगवा विचारधारा का प्रतिकार है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

व्यक्तिगत निजता का अतिक्रमण न हो !

निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। नि:संदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं।

तकनीकी के इस युग में व्यक्तिगत या निजता पर अतिक्रमण तेजी से हो रहा है। सोशल मीडिया के जमाने में सूचना प्रकाश की गति से भी तेज चलती है। ऐसे में तकनीकी व नवचार पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए लोगों की निजता का हनन इससे न हो। डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार को ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है।

सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं। निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। नि:संदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं। चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है। जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है। अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ। यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध। सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है।कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जैविक युद्ध का मौन हथियार बन सकता है फंगस

ज्ञानेन्द्र रावत

फंगस केवल फसलों का ही दुश्मन नहीं, वह इंसानों की जान के लिए भी खतरनाक है। एक साइंस जर्नल के मुताबिक, फंगस कृषि आतंकवाद का खतरनाक हथियार हो सकता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम नामक एक फंगस विभिन्न अनाजों के विकास को प्रभावित करता है। इससे उपज भी कम हो जाती है। संक्रमित करने के बाद यह फंगस फसल के परिपक्व होने के साथ फैलता जाता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम छोटे अनाज के पौधों के तने और जड़ों के ऊतकों, अवशेषों में जीवित रहने और नये पौधों को संक्रमित करने के लिए जाना जाता है। यह माइकोटाक्सिन पैदा करता है जिसका सेवन हानिकर होता है। बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने मिशिगन यूनिवर्सिटी में शोधरत चीनी शोध वैज्ञानिक युनकिंग जियांग को गिरफ्तार किया जो अमेरिका में खतरनाक जैविक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनअरम लेकर आई। वैसे फंगस विभिन्न तरह के रोग जैसे हेड ब्लाइट, रूट रौट व सीडलिंग ब्लाइट पैदा करता है।

इसकी अधिकांश प्रजातियां मृदाकवक हैं। जबकि फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस गेहूं, धान, मक्का और जौ में हेड ब्लाइट रोग फैलाता है। इससे मुख्यत: वोमिटोक्सिन पदार्थ पैदा होता है जो अनाज दूषित करता है। इससे निकले विषाक्त द्रव्य से हर साल अरबों डॉलर की फसल बर्बाद होती है व उपज कम होती है। गौरतलब है कि एफबीआई ने पिछले साल जुलाई में चीनी शोध वैज्ञानिक जियान के ब्वायफ्रेंड लियू को उसके बैग में मिले लाल पौधे के पदार्थ के बारे में गोलमोल जवाब देने के बाद डेट्रायट हवाई अड्डे से वापस चीन भेज दिया था। लियू के मुताबिक, उसकी योजना मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब में अनुसंधान के लिए इस सामग्री का उपयोग करने की थी। इसके बाद उसने अपनी गर्लफ्रेंड जियान के जरिये छिपाकर इस खतरनाक फंगस को मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब तक पहुंचाया। लियू पहले इस लैब में काम करता था।

फिलहाल वह चीनी यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं। एफबीआई निदेशक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा है कि चीन अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ की साजिश कर रहा है ताकि खाद्य सुरक्षा तंत्र के जरिये बड़ी आबादी को नुकसान पहुंचाया जा सके।

इस स्ट्रेन के अनधिकृत आयात से अधिक आक्रमक या कीटनाशक प्रतिरोधी वैरिएंट आने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण नियंत्रण के उपाय कम प्रभावी होते हैं। यह खतरनाक फंगस भारत में भी पाया जाता है। अमेरिकी

नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट की मानें तो उत्तर भारत में गेहूं की फसल में कई बार हेड ब्लास्ट के लक्षण देखे गये। हालांकि हर बार उस पर नियंत्रण पा लिया गया। इसके यहां सक्रिय होने के पीछे जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। गेहूं की फसल के लिए इसे बड़ा खतरा माना जाता है। आईसीएआर के 2021 में हिमाचल और तमिलनाडु में किए व्यापक रोग- सर्वेक्षण में इस फंगस के बारे में खुलासा हुआ था। इससे गेहूं के दाने में हेड ब्लाइट या स्टैंड की समस्या हुई थी। यही नहीं 2021 और 2022 के बीच रबी सीजन में कर्नाटक कृषि विवि द्वारा किए एक सर्वे में कर्नाटक में हेड ब्लाइट की समस्या देखी गयी। असल में अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक द्वारा फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी की घटना ने जहां वैश्विक कृषि सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं चेतावनी भी दी है कि इस तरह मिट्टी, बीज और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस अनाज को सड़ा भी सकता है जिससे इंसान व मवेशियों की जान के लाले पड़ सकते हैं। बेहद सूक्ष्म होने के चलते यह आसानी से पकड़ में नहीं आता और हवा, मिट्टी और बीज के जरिये अपना विस्तार करता है। इसके शुरुआत में लक्षण फसली रोग जैसे होते हैं। इंसानों में जब तक इसका पता चलता है तब तक बहुत देर हो जाती है। यह जैविक युद्ध का मौन हथियार साबित हो सकता है। वैज्ञानिक इसे 'एग्रो टैररिज्म' बता रहे हैं। फसलों को बर्बाद करने की खातिर जैविक एजेंट का इस्तेमाल कृषि आतंकवाद कहलाता है। जिसका मकसद अर्थव्यवस्था बर्बाद करना और समाज में भय-बिखराव का माहौल बनाना है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 17 फीसदी से ज्यादा है और आधी से ज्यादा आबादी खेती से जुड़ी है, इसलिए भारत भी चीन के निशाने पर है।

पंजाब, राजस्थान और हिमाचल राज्य चीन और पाकिस्तान से सटे हुए हैं और दोनों ही देश दुश्मन देश हैं। अब बांग्लादेश भी चीन-पाक की राह पर है। गौरतलब है कि 2016 में बांग्लादेश से ही भेजे गये जहरीले फंगस मैग्नपार्थ ओराइजा पाथोटायप ट्रिटिकम ने पश्चिम बंगाल के दो जिलों में तबाही मचाई थी। इस फंगस का जहर काफी खतरनाक है। यह मनुष्य के शरीर में दूषित भोजन (रोटी, अनाज, पास्ता, बीयर) से या प्रसंस्करण के दौरान, दूषित अनाज से धूल को सांस के माध्यम से त्वचा के संपर्क से प्रवेश करता है। मुख्यत: जठरांत्र और प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है।

गुरबचन जगत

नशे के खिलाफ मुहिम तेज करने की जरूरत

लगता है नशे और अवैध रूप से बनाई गई शराब के खिलाफ पंजाब सरकार ने जंग करने का मन बना लिया है। अवैध शराब का इतिहास शायद उतना ही पुराना है जितना कि मानव जाति का क्रमिक विकास। कर्मस्थली के रूप में मेरी पहली पोस्टिंग बतौर एसपी कपूरथला हुई थी। जो उस समय सिर्फ छह पुलिस थानों वाला एक छोटा सा जिला था। उस वक्त की कानून-व्यवस्था की समस्याओं में से एक थी नदी के किनारे अवैध शराब उत्पादन। घनी झाड़ियों वाले इलाके में छिपी शराब भट्ठियां धड़ल्ले से चलती थीं। खुफिया सूचनाओं के आधार पर, हमने पूरे इलाके में व्यापक संयुक्त छापे मारे, बड़ी संख्या में शराब बनाने वालों को गिरफ्तार किया और बड़ी मात्रा में 'लाहन' और शराब बनाने वाले कुंड जब्त किए।

आज पचास साल बाद भी, जारी इस लड़ाई के बारे में पढ़ता रहता हूं, हालांकि अब ज्यादा मैनपॉवर और तकनीक उपलब्ध है। अफीम और भुक्की, जुआ, वेश्यावृत्ति, आदि के खिलाफ भी ऐसे ही अभियान चलाए गए थे। हालांकि, उस समय समस्या का पैमाना आज की तुलना में नाममात्र था। नशीले पदार्थ, विशेषतया रासायनिक किस्म के, इनकी आमद भी नशे की दुनिया में हो गई है और राज्य के साथ-साथ देश भर के सीमावर्ती क्षेत्रों (विशेष रूप से पश्चिमी तट पर, जहां पर भारी मात्रा में जब्तियां की गई हैं) में बड़े-बड़े गिरोह सक्रिय हैं, लेकिन इन नशीले पदार्थों के वास्तविक स्रोत और ठिकाने के बारे में कोई विवरण उपलब्ध नहीं। फिर, मैं एक के बाद एक आई सरकारों के सामाजिक बुराइयों से निबटने के रवैये से भी हैरान हूं। कोई भी देश मानवीय बुराइयों को खत्म नहीं कर पाया है, क्योंकि वे सभ्यता जितनी पुरानी हैं; हालांकि, उन्होंने बेहतर संतुलन बनाने के लिए प्रयास किए। अमेरिका ने एक सदी पहले शराबबंदी का प्रयोग किया था, लेकिन हश्र अपराध सरगनाओं और अनियंत्रित माफिया के रूप में मिला। अंतत: अधिकांश देशों ने अपने-अपने समाज के हिसाब से खोजे विशिष्ट समाधानों के माध्यम से समाज के अपराधीकरण और अनियंत्रित नशा कारोबार को कम-से-कम रखने की कोशिश की है।

कुछ ने कम एल्कोहल वाले पेय पदार्थों को बढ़ावा दिया, तो कईयों ने भांग और इसी तरह के हल्के नशीले पदार्थों को वैध बना दिया। हालांकि वे हार्ड ड्रग्स और उनकी बच्चों को आपूर्ति के मामले में काफी सख्त हैं। शराब और ड्रग्स के शरीर एवं दिमाग पर पड़ने वाले असर को समझाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। फिर से अपने गृह राज्य पंजाब की बात करूं तो, 1980 और 1990 के कठिनाई भरे दशकों में पैदा हुई मुसीबतों ने सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बुरी तरह प्रभावित किया था। आतंकवाद और पाकिस्तान द्वारा छेड़े गए छद्म युद्ध ने राज्य में कहर बरपाया। आईएसआई ने हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की आपूर्ति की। अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ मुजाहिदीनों द्वारा जिस रणनीति में निपुणता पाई थी, उसका इस्तेमाल यहां भी किया गया, साथ ही गोला-बारूद का भी।

एके-47 एक खतरनाक हथियार बन गया (अधिकांश पर अफगान मार्का हुआ करता था) और इससे आतंकवादियों की मारक शक्ति बढ़ी। उद्योग-धंधे चौपट हो गए या पलायन कर गए; हत्याओं से परिवार टूट गए; जबरन वसूली एक स्थाई खौफ बन गई। हजारों लोग मारे गए-नागरिकों के अलावा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी। इतने बड़े पैमाने पर पड़े शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक आघातों को दूर करने के लिए कोई बड़ा प्रयास नहीं किया गया। जीवन के तमाम मापदंडों पर एक पूरा सूबा लगभग तबाह हो गया और इस उथल-पुथल के कारणों और प्रभावों की जांच करने और उपाय सुझाने के लिए एक भी आयोग का गठन नहीं किया गया। लोगों को इससे खुद ही निबटने के लिए छोड़ दिया गया - काफी लोग पलायन कर गए, कुछ ने अपराध करना शुरू कर दिया और गिरोह बना लिए, कईयों ने तस्करी और नशा वितरण शुरू कर दिया। राजनेता एक अंतराल के बाद सत्ता में लौटे, पर इससे समाज का और ज्यादा अपराधीकरण ही हुआ क्यों? होना तो यह चाहिए था कि इस उद्देश्य के लिए प्रख्यात न्यायविदों, समाजशास्त्रियों और प्रशासकों की अध्यक्षता में एक जांच पैनल गठित किया जाता।

राज्य, इसके संस्थानों, इसके लोगों को हुए नुकसानों की जांच करने और एक उचित पुनर्वास योजना बनाने के साथ-साथ वित्तीय और रोजगार पैकेज के वास्ते एक अलग आयोग का गठन किया जाना चाहिए था। पंजाब में दो दशकों तक जो कुछ हुआ, वह पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित एक अघोषित युद्ध था। क्या उसे ऐसा मानकर ही बर्ताव किया गया? आतंकवाद को कुचलने की मुहिम के केवल पहले हिस्से के लिए ही पूरी सहायता प्रदान की गई। इसके बाद के परिणामों से निपटने वाले द्वितीय भाग में, पंजाब को कुदरत के रहम पर छोड़ दिया गया। मैं बताना चाहूंगा कि यह पंजाब पुलिस ही थी, जो पंजाब के नागरिक समाज के साथ मिलकर इस लड़ाई की अगुआई कर रही थी और जिसने इसका खमियाजा भुगता। किसी क्षेत्र के आर्थिक रूप से समृद्ध होने के लिए सबसे जरूरी है व्यापार करने की क्षमता। पंजाब चारों ओर से जमीन से घिरा भूभाग है। ऐतिहासिक रूप से, यह क्षेत्र सिल्क रोड के जरिए मध्य एशिया, अफगानिस्तान और उससे आगे तक व्यापार करता था, जिसमें खैबर दर्रा एक प्रमुख संपर्क मार्ग था। अंग्रेजों के आने और उसके बाद के विभाजन के असर से हमारे लिए इस मार्ग का फायदा बंद हो गया। आज भी, यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। वास्तव में, इसे खोलने के कुछ कमजोर प्रयासों के बावजूद कई दशकों से यह बंद है।

चेहरे को निखारेंगे ये ब्यूटी प्रोडक्ट

लड़कियां अपने चेहरे को सुंदर बनाने और त्वचा को निखारने के लिए कई महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं लेकिन फिर भी इन कैमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे आ जाते हैं और पिंपल निकलते हैं। शायद ही कोई ऐसी महिला होगी, जिसे ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना पसंद न हो। इसी के चलते हर महिला के पास तमाम तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट का शानदार कलेक्शन होता है। हर महिला इन सामानों को अपने घर की ड्रेसिंग टेबल में रखती हैं। इन ब्यूटी प्रोडक्ट्स में कुछ चीजें ऐसी हैं, जो हर महिला को अपने बैग में रखनी चाहिए। जिन महिलाओं के पास ब्यूटी प्रोडक्ट का कलेक्शन नहीं भी होता है, उन्हें भी इन पांच चीजों को अपने पास रखना चाहिए। इसके अलावा ज्यादातर लड़कियां अपने चेहरे पर मेकअप का प्रयोग करती हैं, लेकिन उन्हें ये जानकारी बिल्कुल भी नहीं है कि मेकअप से पहले भी एक स्किन केयर प्रोसेस होता है। इस प्रोसेस में त्वचा को ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया जाता है।

लिप बाम

भारतीय गर्मी त्वचा की बहुत सारी समस्याओं के साथ आती है, जिससे यह सुस्त, शुष्क और खुरदरी हो जाती है। यह मौसम आपके होठों की सेहत पर भी भारी पड़ सकता है। तेज धूप और धूल की वजह से होंठ भी काफी फटने लगते हैं, जिसकी वजह से काफी परेशानी होने लगती है। कई बार तो होंठ फटने के बाद खून तक निकलने लगता है। तो गर्मी का मतलब यह नहीं है कि आपको समस्याओं के साथ रहना होगा। ड्राइनेस से बचने के लिए लिप बाम ट्राई करें। इससे आपके होंठ नर्म और मुलायम रहेंगे।

मॉइश्चराइजर

लोगों को ऐसा लगता है कि मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल सिर्फ सर्दियों में ही किया जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। गर्मी में पसीने की वजह से चेहरे की प्राकृतिक नमी सूखने लगती है। ऐसे में सही मॉइश्चराइजर आपके चेहरे को दमकाने में मदद करेगा। इसके लिए जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें, ताकि आपका चेहरा चिपचिप न करे।

क्लींजर

सबसे पहले बात क्लींजर की करें, तो जैसा की नाम से ही साफ है, इनका काम स्किन को साफ करना होता है। क्लींजर अक्सर लोशन की तरह अधिक जेंटल होते हैं। इनका इस्तेमाल स्किन से मेकअप, हल्की गंदगी, पसीना और यहां तक कि डेड स्किन सेल्स को भी साफ करने के लिए किया जाता है। इससे आपका चेहरा साफ और तरोताजा रहता है। इसलिए हर महिला के बैग में एक अच्छा क्लींजर अवश्य होना चाहिए। इसे खरीदते समय ध्यान रखें कि ये आपकी स्किन टाइप के हिसाब से ही हो। एक जेंटल से क्लींजर का इस्तेमाल आप दिन में दो से तीन बार कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल उस वक्त करें, जब आपको दफ्तर से कहीं तुरंत निकलना हों। क्लींजर का इस्तेमाल करके आप अपना चेहरा दमका सकती हैं।

ब्यूटी बाम

हर महिला के बैग में बीबी या सीसी क्रीम अवश्य होनी चाहिए। बीबी क्रीम का मतलब होता है ब्यूटी बाम, जबकि सीसी क्रीम का मतलब होता है कलर करेक्टिंग क्रीम। ये दोनों आपके पास अवश्य होनी चाहिए, ताकि आपको हर समय हैवी फाउंडेशन की लेयर का इस्तेमाल नहीं करना पड़े। गर्मी के मौसम में हैवी फाउंडेशन के इस्तेमाल से आपको भी उलझन हो सकती है।

सनस्क्रीन

फिलहाल के लिए अब जब गर्मी का मौसम चल रहा है तो आपके लिए सनस्क्रीन काफी जरूरी है। अक्सर लोगों को लगता है कि दिन में एक समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल काफी है, जबकि ऐसा नहीं है। इतनी तेज धूप के समय आपको हर तीन से चार घंटे में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना है। ये सनस्क्रीन कम से कम 40 एसपीएफ वाली होनी चाहिए। अगर इससे ज्यादा एसपीएफ की है, तब और भी अच्छी बात है। सनस्क्रीन स्किन की ड्राइनेस को दूर करता है, साथ ही चेहरे पर निखार भी लाता है। इस मौसम में चिपचिपी ऑयली क्रीम से चेहरा ऑयली और काला दिखता है ऐसे में सनस्क्रीन चेहरे की रंगत में निखार लाता है। बाजार में तरह-तरह के सनस्क्रीन मौजूद हैं लेकिन उनके कई बार स्किन पर साइड इफेक्ट तक देखने को मिलते हैं।

हंसना मना है

पहला सरदार: मैंने अपनी वाईफ को 12वीं पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार: अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला- ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार: साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ, तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का: यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त: क्यों? लड़का: जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तबसे 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

गधा: यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता: घर छोड़ दे? गधा: नहीं यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दुंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है मुझे क्या गिफ्ट दोगे प्रेमी - जो तुम चाहो मेरी जान, प्रेमिका- मुझे रिंग चाहिए प्रेमी- ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, मेरा बैलेंस कम है...

कहानी — बड़ा सोचो

अत्यंत गरीब परिवार का एक बेरोजगार युवक नौकरी की तलाश में किसी दूसरे शहर जाने के लिए रेलगाड़ी से सफर कर रहा था। घर में कभी-कभार ही सब्जी बनती थी, इसलिए उसने रास्ते में खाने के लिए सिर्फ रोटीयां ही रखी थी। आधा रास्ता गुजर जाने के बाद उसे भूख लगने लगी, और वह टिफिन में से रोटीयां निकाल कर खाने लगा। उसके खाने का तरीका कुछ अजीब था, वह रोटी का एक टुकड़ा लेता और उसे टिफिन के अन्दर कुछ ऐसे डालता मानो रोटी के साथ कुछ और भी खा रहा हो, जबकि उसके पास तो सिर्फ रोटीयां थीं! उसकी इस हरकत को आस पास के और दूसरे यात्री देख कर हैरान हो रहे थे। वह युवक हर बार रोटी का एक टुकड़ा लेता और झूटमूठ का टिफिन में डालता और खाता। सभी सोच रहे थे कि आखिर वह युवक ऐसा क्यों कर रहा था। आखिरकार एक व्यक्ति से रहा नहीं गया और उसने उससे पूछा- भैया तुम ऐसा क्यों कर रहे हो, तुम्हारे पास सब्जी तो है ही नहीं फिर रोटी के टुकड़े को हर बार खाली टिफिन में डालकर ऐसे खा रहे हो मानो उसमें सब्जी हो। युवक बोला, भैया, इस खाली ढक्कन में सब्जी नहीं है लेकिन ढक्कन में अचार है और मैं अपने मन में यह सोच कर खा रहा हूं की मैं आचार के साथ रोटी खा रहा हूं। फिर व्यक्ति ने पूछा, खाली ढक्कन में आचार सोच कर सूखी रोटी को खा रहे हो तो क्या तुम्हे आचार का स्वाद आ रहा है? हां, बिलकुल आ रहा है, मैं रोटी के साथ अचार सोचकर खा रहा हूं और मुझे बहुत अच्छा भी लग रहा है, युवक ने जवाब दिया। एक व्यक्ति बोला, जब सोचना ही था तो तुम आचार की जगह पर मटर-पनीर सोचते, शाही गोभी सोचते। तुम्हें इनका स्वाद मिल जाता। सोचना ही था तो भला छोटा क्यों सोचे तुम्हें तो बड़ा सोचना चाहिए था।

शिक्षा- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है की जैसा सोचोगे वैसा पाओगे। छोटी सोच होगी तो छोटा मिलेगा, बड़ी सोच होगी तो बड़ा मिलेगा। इसलिए जीवन में हमेशा बड़ा सोचो। बड़े सपने देखो, तो हमेश बड़ा ही पाओगे। छोटी सोच में भी उतनी ही उर्जा और समय खपत होगी जितनी बड़ी सोच में।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

वृषभ
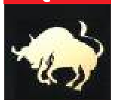
कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन
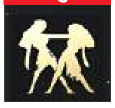
व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

सिंह
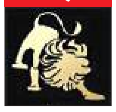
व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या

संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला
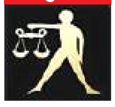
विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक

प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर
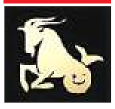
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ
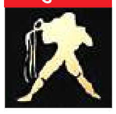
घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है।

मीन

हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

प्लेन क्रैश की खबर सुनकर सलमान ने कैंसल किया इवेंट

अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास भीषण विमान हादसे की खबर से हर कोई स्तब्ध है। फिल्म जगत से सितारे भी हादसे पर दुख जता रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने विमान क्रैश की खबर के बाद मुंबई में अपना इवेंट कैंसिल कर दिया। गुरुवार को सलमान खान को मुंबई के एक होटल में मीडिया इवेंट में शामिल होना था। मगर, जैसे ही अहमदाबाद प्लेन क्रैश की खबर आई, सलमान की टीम ने इवेंट को रद्द करने का फैसला लिया।

सूत्रों की मानें तो सलमान ने कहा कि ऐसे वक्त में जश्न मनाना ठीक नहीं, क्योंकि यह हादसा काफी गंभीर है और देशभर के लोग इससे दुखी हैं। बता दें कि गुरुवार दोपहर सलमान खान को मुंबई के एक होटल में ISRL (Indian Supercross Racing League) के मीडिया इवेंट में शामिल होना था। मगर, जैसे ही अहमदाबाद में एयरपोर्ट के निकट हुए भीषण विमान हादसे की खबर आई, सलमान खान की टीम ने यह इवेंट रद्द करने का फैसला लिया।सलमान खान ISRL के ब्रांड

एम्बेसडर हैं। गुरुवार को मुंबई के ताज लैंड्स एंड में प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, जिसमें लीग के सीजन 2 की जानकारी और सलमान की मौजूदगी में मीडिया इंटरैक्शन होना था। लेकिन, विमान हादसे की घटना के बाद सलमान ने यह इवेंट रद्द कर दिया। करीबी सूत्रों के अनुसार, जैसे ही उन्हें हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने कहा कि आज कुछ प्रमोट करना या मुस्कराना शोभा नहीं देता। गुरुवार को एयर इंडिया की एक फ्लाइट (AI-171) अहमदाबाद से टेक ऑफ करते ही क्रैश हो गई। यह फ्लाइट लंदन जा रही थी। हादसा मेघाणी नगर इलाके में हुआ, जहां फ्लाइट 600 फीट की ऊंचाई पर थी और फिर अचानक गायब हो गई। इसमें 240 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट के क्रैश होते ही इलाके में भीषण आग लग गई और आसमान में काला धुआं फैल गया। राहत और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे की भयावहता को देखकर देशभर में शोक है। हर कोई स्तब्ध है और प्रभावितों के लिए दुआ की जा रही है।

बॉलीवुड | मन की बात

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर बोले अक्षय कुमार, मैं निशब्द हूं

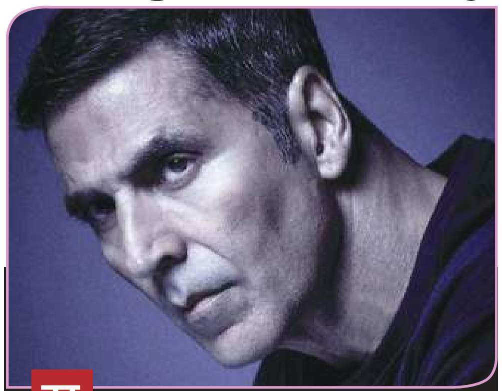

गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश ने देशभर का दिल दहला दिया है। बताया जा रहा है कि इस विमान में 230 यात्रियों और 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला ये विमान टेक ऑफ के तुरंत बाद हादसे का शिकार हो गया। क्रैश साइट से काला धुआं भी उठता देखा गया। ये एक इंटरनेशनल एयरक्राफ्ट था। हादसे के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने की कोशिश की गई। हादसे के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे हैं। वीडियो में एयरक्रॉफ्ट को उड़ान भरने के ठीक बाद नीचे जाते हुए देखा जा सकता है। प्लेन के नीच जाते ही जोर से क्रैश की आवाज होती है और आसमान की तरफ घना धुआं उड़ने लगता है, जिससे अफरा-तफरी मच जाती है। देशभर में इस हादसे को लेकर शोक पसर गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स के साथ-साथ बॉलीवुड और टीवी के सितारों ने भी इस हादसे को लेकर शोक जताया है। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने ट्वीट किया, एयर इंडिया के क्रैश से मैं शॉक में और निशब्द हूं। इस वक्त सिर्फ दुआ कर सकते हैं। वहीं रितेश देशमुख ने एक्स पर पोस्ट लिखी, अहमदाबाद में प्लेन के क्रैश होने की खबर सुनकर मेरा दिल टूट गया है और मैं शॉक में हूं। मेरा दिल सभी यात्रियों के लिए, उनके परिवारों और इस क्रैश से प्रभावित हुए सभी लोगों के लिए दुख रहा है। इस मुश्किल वक्त में मैं सभी को अपने ख्यालों और दुआओं में रखे हुए हूं। अक्षय कुमार, सनी देओल, परिणीति चोपड़ा, रितेश देशमुख के अलावा और भी कई सितारों ने इस बड़े हादसे को लेकर शोक जताया है। अहमदाबाद पुलिस कंट्रोल रूम ने पुष्टि की है कि गुरुवार, 12 जून को उड़ान भरने के कुछ मिनटों बाद यानी 1 बजकर 40 मिनट पर ये प्लेन क्रैश हुआ था। क्रैश होने वाला प्लेन बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बताया जा रहा है। प्लेन मेघानी नगर इलाके में क्रैश हुआ है।

'सितारे जमीन' पर के बाद रजनीकांत की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

आमिर खान इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दर्शकों को आमिर खान की फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। हाल ही में आमिर खान ने बताया है कि वह सितारे जमीन पर के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे। आइए इस बारे में जानते हैं।

आमिर खान ने जूम टीवी के साथ बातचीत में बताया है कि वह रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आएंगे। आमिर खान ने बताया है कि वह इस फिल्म में कैमियो रोल करेंगे। आमिर खान के मुताबिक वह रजनीकांत के इतने बड़े फैन हैं कि उन्होंने स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ी और उस रोल के लिए हां बोल दिया।

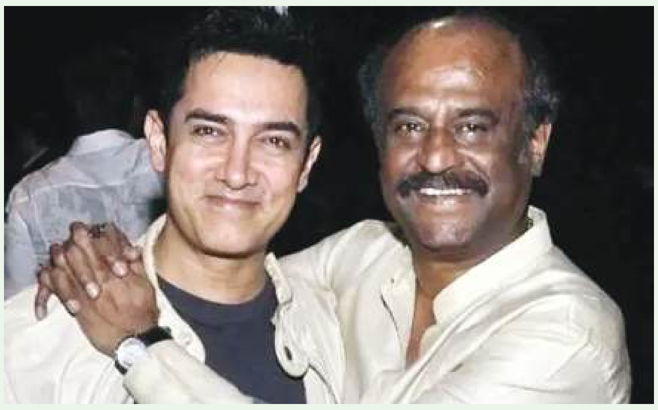

इस तारीख को रिलीज होगी कुली साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है। पहले खबरें थीं कि इस फिल्म में आमिर खान नजर आ सकते हैं लेकिन अब आमिर खान ने खुद इस बात से पर्दा हटा दिया है। सिनेमाघरों में आने को तैयार फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान ने एक बॉस्केटबॉल कोच की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में वह 10 दिव्यांग बच्चों को बॉस्केटबॉल सिखाएंगे। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी होंगी। यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। इस फिल्म से अरुष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि आमिर खान इस फिल्म की रिलीज के बाद दादा साहब फाल्के की बायोपिक पर काम करेंगे।

वो नदी जो कर्क रेखा को पार करती है 2 बार बहती है मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में

भारत में कई ऐसी नदियां हैं, जो जीवनदायिनी की भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी में इन नदियों का योगदान महत्वपूर्ण है। इस वजह से भारत में नदियों को पूजा जाता है और मां का दर्जा मिला हुआ है। इनमें से कई ऐसी नदियां भी हैं, जिनके किनारे सदियों पहले शहर बसाए गए तो इनमें से कई जगहें नदियों की वजह से पर्यटन के लिहाज से विकसित हुई हैं। ऐसे में आज हम मध्य प्रदेश, राजस्थान से होकर गुजरात में बहने वाली एक ऐसी नदी के बारे में जानेंगे, जो कर्क रेखा को दो बार पार करती है। आइए जानते हैं... अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर वो कौन सी नदी है? क्या नर्मदा नदी है, जो कर्क रेखा को दो बार पार करती है? तो आपको बता दें कि बिल्कुल नहीं। नर्मदा नदी मध्य प्रदेश से निकलती जरूर है और गुजरात पहुंचती भी है। लेकिन राजस्थान में नर्मदा नदी नहीं बहती। उस नदी का नाम माही नदी है, जो कर्क रेखा को दो बार पार करती है। कर्क रेखा गुजरात के छह जिलों से होकर गुजरती है, जिसमें कच्छ, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, साबरकांठा, अरावली है। यह नदी पहली बार मध्य प्रदेश में कर्क रेखा को काटती है, फिर राजस्थान को पार करने के बाद गुजरात में दोबारा यह कर्क रेखा को पार करती है। माही पश्चिमी भारत की एक नदी है, जो मध्य प्रदेश से निकलती है और राजस्थान से गुजरात में प्रवेश करती है। फिर अरब सागर में गिरती है। यह नर्मदा और ताप्ती नदियों की तरह पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है। दूसरी ओर अधिकांश पहाड़ी नदियां पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं। माही नदी का वास्तविक स्रोत मिंडा गांव है, जो मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित है। नर्मदा और ताप्ती के बाद माही नदी गुजरात की तीसरी सबसे लंबी नदी है। इसका उद्गम स्थल मध्य प्रदेश में है। माही का उद्गम स्थल अमझेरा शहर और भोयावर गांव के बीच स्थित मेहद सरोवर है, जो मालवा पठार क्षेत्र में विंध्याचल पर्वतमाला के पश्चिमी छोर पर स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 564 मीटर ऊपर है। इसकी कुल लंबाई 583 किमी है। मालवा क्षेत्र से गुजरने के बाद यह नदी बांसवाड़ा-डूंगरपुर के वागड़ क्षेत्र से होकर जाती है। वहां से यह पाल और माल क्षेत्रों से गुजरती हुई दाहोद, गोधरा, आनंद और वडोदरा के पास से जाकर खेड़ा जिले में प्रवेश करती है और अंत में खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में मिल जाती है। माही नदी पर तीन महत्वपूर्ण बांध बने हैं। एक बांध राजस्थान में है, जिसे माही बांध के नाम से जाना जाता है और यह बांसवाड़ा से थोड़ी दूरी पर स्थित है। कडाना बांध पंचमहल में स्थित है। इसकी क्षमता 86,049 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करने की है। तीसरा बांध 780 मीटर लंबा है, जो वनकबोरी में स्थित है। इसकी सिंचाई क्षमता 1.86 हेक्टेयर है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा बॉर्डर

यहां एक देश में सोते हैं लोग, खाने के लिए जाते हैं दूसरे देश!

नीदरलैंड्स और बेल्जियम के बीच की 450 किलोमीटर लंबी सीमा दुनिया की सबसे अनोखी और जटिल सीमाओं में से एक है। यह सीमा न केवल ज़मीन को बल्कि लोगों के घरों, सड़कों, दुकानों और यहां तक कि कैफे के टेबल्स को भी दो हिस्सों में बांटती है। खासकर बार्ले-नासाउ (नीदरलैंड्स) और बार्ले-हर्टोग (बेल्जियम) जैसे कस्बों में यह सीमा इतनी उलझी हुई है कि एक ही घर दो देशों में बंट गया है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो इस अनोखी सीमा की कहानी को दुनिया भर में मशहूर कर रहे हैं।

नीदरलैंड्स और बेल्जियम की सीमा 450 किलोमीटर लंबी है, जिसमें से 50 किलोमीटर से ज्यादा हिस्सा बार्ले-नासाउ और बार्ले-हर्टोग जैसे कस्बों में फैला है। यह सीमा मध्ययुगीन संधियों और ज़मीन के बंटवारे से उत्पन्न हुई, जब 12वीं शताब्दी में स्थानीय सामंतों ने ज़मीन के छोटे-छोटे टुकड़ों का आदान-प्रदान किया। 1843 की संधि ने इस सीमा को औपचारिक रूप दिया लेकिन बार्ले क्षेत्र में 22 बेल्जियम और 7 नीदरलैंड्स के एन्क्लेव्स (एक देश के अंदर दूसरे देश का क्षेत्र) बन गए। नतीजा? एक ऐसी सीमा, जो घरों, सड़कों और यहां तक कि रेस्तरां के बीच से गुजरती है।

बार्ले-नासाउ (नीदरलैंड्स) और बार्ले-हर्टोग (बेल्जियम) में सीमा को सफेद क्रॉस और धातु की प्लेटों से चिह्नित किया गया है। सड़कों पर NL और B के निशान दिखाते हैं कि आप किस देश में हैं। कुछ घरों में सीमा रेखा बीच से गुजरती है, जिससे एक ही कमरे में दो देश हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक मकान का किचन बेल्जियम में हो सकता है जबकि बेडरूम नीदरलैंड्स में। कुछ मामलों में लोग अपने घर का मुख्य दरवाज़ा इस तरह रखते है कि वह उस देश में खुलता हो, जहां टैक्स कम हो।

इस अनोखी सीमा ने स्थानीय लोगों की ज़िंदगी को रोचक और जटिल बना दिया है। बार्ले में एक ही सड़क पर दुकानें दो देशों में बंटी हैं। एक मशहूर कैफे, De Biergrens, की सीमा टेबल्स के बीच से गुजरती है, जिससे आप एक ही समय में बेल्जियम में कॉफी और नीदरलैंड्स में बर्गर खा सकते हैं। दुकानों और रेस्तरां में दो अलग-अलग टैक्स सिस्टम और नियम लागू होते हैं, जिससे व्यापारियों को दोनों देशों के नियमों का पालन करना पड़ता है। स्थानीय लोग इस स्थिति के आदी हो चुके हैं। वे मजाक में कहते हैं कि वे सुबह बेल्जियम में नाश्ता करते हैं और रात को नीदरलैंड्स में सोते हैं। लेकिन यह जटिलता कभी-कभी परेशानी भी खड़ी करती है।

उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान, जब दोनों देशों में अलग-अलग लॉकडाउन नियम थे, बार्ले के निवासियों को अपने ही घर में एक कमरे से दूसरे में जाने के लिए सीमा नियमों का पालन करना पड़ा। सोशल मीडिया पर इस सीमा की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में दिखाया गया कि बार्ले की सड़कों पर सीमा रेखा कैसे घरों और दुकानों को बांटती है। एक यूजर ने लिखा, यह दुनिया का सबसे पागलपन भरा बॉर्डर है! एक घर में दो देश! एक अन्य ने टिप्पणी की, यह देखकर मेरा दिमाग चकरा गया। लोग कैसे इसका हिसाब रखते हैं? ट्रैवल ब्लॉगर्स और यूट्यूबर्स, जैसे Atlas Obscura, ने इस सीमा को दुनिया का सबसे उलझा हुआ बॉर्डर करार दिया है।

ईडी की जांच में हम करेंगे पूरा सहयोग : राबर्ट वाड्रा

» आरोपों का किया खंडन प्रियंका के पति को एक बार फिर घेरने की कोशिशें तेज, ईडी का समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने अपने उपर लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन से बच रहे हैं। उनके अधिवक्ता सुमन ज्योति खेतान ने एक बयान जारी कर कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह से असत्य और तथ्यहीन हैं। वाड्रा ने पिछले एक दशक से ईडी के सभी समन सूचनाओं और दस्तावेजों की मांगों का पूर्ण अनुपालन किया है और भविष्य में भी कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में अपना सहयोग जारी रखेंगे। वाड्रा ने ईडी को यह भी आश्वासन दिया कि जैसे ही उन्हें चिकित्सकीय मंजूरी मिलेगी, आ जाएंगे। उन्होंने स्वेच्छा से कहा कि यदि ईडी को तत्काल आवश्यकता महसूस होती है, तो वह उपलब्ध हैं, जैसा कि उन्होंने पहले कई बार किया है। उनके वकील ने कहा कि वाड्रा ने हाल ही में भी भारी मात्रा में दस्तावेज जमा किए हैं और ईडी के सभी सवालों के जवाब दिए हैं।

फ्लू के चलते वकील ने मांगी मोहलत

वाड्रा को एक मामले के संबंध में 10 जून को ईडी के समक्ष पेश होने का समन मिला था, जिसमें वह 2019 से कई बार ईडी के सामने पेश हो चुके हैं और भारी मात्रा में दस्तावेज जमा कर चुके हैं। उनके वकील ने बताया कि 9 जून को वाड्रा को फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद उन्हें चिकित्सकीय सलाह पर कोविड-19 टेस्ट कराने को कहा गया। यह प्रक्रिया पीएमओ सहित कई संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही मौजूदा प्रथाओं के अनुरूप थी। इसके चलते वाड्रा ने ईडी को सूचित किया कि वह 10 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो पाएंगे।

क्या बचने की कर रहे कोशिश

वाड्रा अपनी बेटी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा के बहाने ईडी की कार्रवाई से बच रहे हैं। इस पर खेतान ने कहा, यह पूरी तरह से असत्य, अस्वीकार्य और तथ्यहीन है। वाड्रा की सभी विदेश यात्राएं ईडी की पूर्व सूचना और न्यायालय की अनुमति के साथ होती हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईडी के रिकॉर्ड में वाड्रा का नियमित रूप से पेश होने का इतिहास दर्ज है और यह सोचने का कोई आधार नहीं है कि वह समन का जवाब देने के लिए गलत कारण देंगे। वाड्रा ने अपने बयान में कहा कि वह कानूनी प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे।

महागठबंधन की बैठक में बने तेजस्वी सीएम पद का चेहरा

» वीआईपी अध्यक्ष मुकेश साहनी ने किया एलान
» जल्द होगी कांग्रेस की औपचारिक घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पटना में महागठबंधन की अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में एक तरफ जहां चुनावी तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया वहीं प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर सरकार को घेरने पर भी चर्चा हुई। वीआईपी के नेता मुकेश साहनी ने बैठक में तेजस्वी यादव को सीएम पद का चेहरा बताया। बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह भी था कि क्या महागठबंधन औपचारिक रूप से तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगा?

राजद पहले ही तेजस्वी को अपना सीएम चेहरा मान चुका है और मुकेश सहनी ने भी बैठक के बाद स्पष्ट किया कि तेजस्वी ही हमारे नेता हैं। हालांकि अभी कांग्रेस की ओर से कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। और समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

नीतीश हर मोर्चे पर विफल

तेजस्वी यादव ने एक्स पर बैठक की कुछ तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा है कि पटना में इंडिया गठबंधन समन्वयक समिति एवं उप समन्वयक समिति के सदस्यों के साथ विमर्श हुआ। 20 वर्षों की हृष्ट्र सरकार और उसकी जनविरोधी नीतियों व निर्णयों से हर बिहारवासी त्रस्त है। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पलायन, चहुंओर व्याप्त भ्रष्टाचार एवं बदहाल शिक्षा-स्वास्थ्य और विधि व्यवस्था से लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। 20 वर्षों को नीतीश-भाजपा सरकार हर मोर्चे पर पूर्ण रूप से विफल हो चुकी है।नेता प्रतिपक्ष ने आगे लिखा कि इंडिया गठबंधन के सही सहयोगी दल एकजुटता के साथ जनता की आकांक्षाओं के साथ क़दमताल करते हुए 20 वर्षों की इस निकम्मी नकारा व भ्रष्ट सरकार को हटाकर नए बिहार के निर्माण की नींव रखेंगे।

सहयोगी दलों से मांगा गया सीटों का विवरण

बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करना और इसके खिलाफ संयुक्त आंदोलन की रणनीति तैयार करना था। महागठबंधन ने फैसला किया कि आगामी समय में लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे पर बिहार की जनता के बीच जाकर सरकार को घेरा जाएगा। साथ ही सभी सहयोगी दलों से उन सीटों का विवरण मांगा गया जिन पर वे चुनाव लड़ना चाहते हैं ताकि जिसके बाद विचार विमर्श कर सीट बटंवारे का ऐलान किया जा सके।

तीन सौ विकेट लेने वाले 8वें कंगारू गेंदबाज बने कमिंस

» विश्व में 300 विकेट हासिल करने वाले बने 40वें टेस्ट गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। कमिंस 300 टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के आठवें गेंदबाज हैं, बतौर तेज गेंदबाज कप्तान उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ इमरान खान के नाम हैं। पैट कमिंस ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप डब्ल्यूटीसी फाइनल में छह विकेट चटकाते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे कर लिए। कमिंस ने 18.1 ओवरों की गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर छह विकेट चटकाए। कमिंस ने कई रोचक आंकड़े भी अपने नाम किए, एक नजर उन आंकड़ों पर डालते हैं।

कमिंस टेस्ट में 300 विकेट हासिल करने वाले 40वें गेंदबाज हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए यह कारनामा करने वाले वह आठवें गेंदबाज हैं। तेज गेंदबाजों की अगर बात करें तो वह 300 विकेट हासिल करने वाले 30वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज हैं। वह गेंदों के लिहाज़ से 300 विकेट तक पहुंचने वाले पांचवें सबसे तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 13,725 गेंदें ली और मेल्कम मार्शल को तीन गेंद के अंतर से पछाड़ दिया। उनका गेंदबाजी स्ट्राइक रेट प्रति विकेट 45.75 है जो कि बतौर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज सर्वश्रेष्ठ है। कमिंस ने अधिकतर ऑस्ट्रेलिया के लिए पहला बदलाव वाले गेंदबाज के तौर पर गेंदबाजी की है। उन्होंने 126 टेस्ट पारियों में 48 बार नई गेंद से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों के बाद गेंदबाजी की है। पहले बदलाव के तौर पर 100 से अधिक विकेट हासिल करने वाले वह इकलौते ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। उनके बाद पिटर सिडल हैं जिन्होंने 87 विकेट चटकाए हैं। कुल मिलाकर सिर्फ़ चार तेज गेंदबाज ही ऐसे हैं जिनके नाम पहले बदलाव वाले तेज गेंदबाज के तौर पर 100 से अधिक विकेट हैं - कॉर्टनी वॉल्श (106), कमिंस (107), मोर्ने मॉर्कल (129) और इयान बोथम (129)।

सबसे तेज 300 विकेट लेने के मामले में इमरान की बराबरी की

उन्होंने सबसे तेज 300 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रूप से 10वां गेंदबाज़ बनते हुए इमरान ख़ान की बराबरी कर ली। दोनों ने 68 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की। 184 - कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में इस मैच से पहले कुल 184 विकेट लिए थे। जेसन गिलेस्पी, मिचेल जॉनसन, डेनिस लिली, ब्रेट ली, मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्ग्रा उनसे इस मामले में आगे हैं लेकिन इन में से किसी भी गेंदबाज़ की औसत कमिंस के 18.09 की औसत से बेहतर नहीं है।

पटना में ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

» अंडर सेक्रेट्री के ठिकानों पर छापेमारी
» सरकारी ठेकों में चल रहा था कमीशनबाजी का खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सरकारी ठेकों में कमीशनखोरी करने वाले ठेकेदार रिशु श्री और उससे जुड़े लोगों पर ईडी ने शिकंजा कसा है। ईडी ने बिहार, हरियाणा और गुजरात में 9 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी पटना, मुजफ्फरपुर, पानीपत और सूरत में की गई। रिशु श्री पर आरोप है कि वह सरकारी ठेकों में कमीशन लेकर भ्रष्ट अफसरों को विदेश घुमाता था। ईडी को ट्रैवल एजेंटों के ठिकानों से अधिकारियों की यात्रा से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं।

छापे में एक और कंपनी का पता चला

साथ ही रिशु श्री की एक और कंपनी का पता चला है जिसके माध्यम से काले धन को सफेद किया जाता था। इस मामले में आईएएस संजीव हंस भी आरोपी हैं। ईडी सूत्रों के अनुसार रिशु श्री सरकारी ठेकों में कमीशन के खेल में शामिल था। वह भ्रष्ट अफसरों को देश-विदेश घुमाता था। इसके लिए वह सूरत और पानीपत में स्थित ट्रैवल एजेंटों से टिकट बुक करवाता था। छापेमारी में इन ट्रैवल एजेंटों के ठिकानों से अधिकारियों की यात्रा से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं। ईडी इन दस्तावेजों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इस कंपनी से बिहार सरकार के कई अधिकारियों की पत्नी और परिवार के लोग जुड़े हुए हैं। आरोप है कि इस कंपनी के जरिए भ्रष्ट अधिकारियों के काले धन को सफेद किया जाता था। ईडी की छापेमारी में इस कंपनी से जुड़े कई अधिकारियों, उनकी पत्नी और परिजनों की जानकारी मिली है।

ईडी के छापे से अधिकारियों और ठेकेदारों में हड़कंप

फिलहाल ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रिशु श्री ने किन-किन अधिकारियों को फायदा पहुंचाया और इस घोटाले में कौन-कौन लोग शामिल हैं। ईडी इस मामले में और भी गिरफ्तारियां कर सकती है। ईडी की इस कार्रवाई से भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों में हड़कंप मच गया है।

नोएडा के अस्पताल में आग, रिकार्ड रूम खाक

» अस्पतालों में फायर सेफ्टी की तैयारियों पर बड़ा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में आज सुबह थाना सेक्टर-24 क्षेत्र अंतर्गत स्थित सुमित्रा हॉस्पिटल सेक्टर-35 में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग रिकॉर्ड रूम में लगी थी। राहत की बात यह रही कि घटना के समय रिकॉर्ड रूम बंद था और कोई व्यक्ति वहां मौजूद नहीं था जिससे जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 6 फायर सर्विस यूनिट और एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म को मौके पर रवाना किया। दमकलकर्मियों ने आग पर तेजी से काबू पाया और आग को पूरी तरह बुझा दिया। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर अस्पतालों में फायर सेफ्टी की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

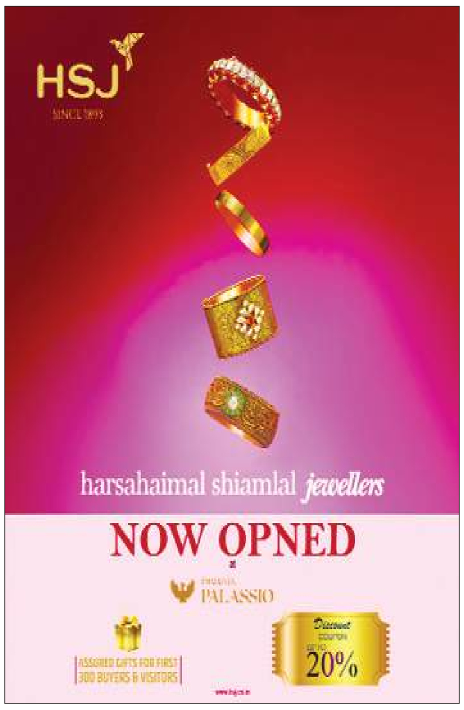

ये राख बता रही है भयावहता की कहानी

» कभी नहीं भूल पाएंगे अहमदाबाद विमान हादसा
» जिंदगी का ब्लैक डे, अब कभी न हो इस प्रकार का हवाई एक्सीडेंट
» प्रत्येक मृतक की अलग कहानी, कोई घूमने जा रहा था तो कोई पढ़ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधी नगर। गुजरात के अहमदाबाद विमान हादसा रोंगटे खड़े करने वाला था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले हमें आसमान में काला धुआं दिखा, तो लगा कि कहीं आग लगी होगी। इसके बाद पता चला कि एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया।

विमान में बहुत से लोग सवार थे। ऐसे में किसी का बच पाना मुश्किल था। घटनास्थल से महज दो किलोमीटर दूर रहने वाले जयराम रमेश ने बताया कि प्लेन क्रैश के बारे में आसपास के लोगों को जैसे ही जानकारी मिली, तो सभी सहम गए। हमें बताया गया कि एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया है।

कोई भी बच नहीं पाएगा। जयराम बताते हैं, प्लेन क्रैश के बारे में जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। यह हादसा बहुत ही भयावह था। फिर मैं सुबह यहां (घटनास्थल) आया। मैंने सोचा कि एक बार यहां पर जाकर देखूं। लेकिन, यहां पर फिलहाल बड़ी संख्या में पुलिस सहित अन्य अधिकारी मौजूद हैं, जो पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। यहां अभी किसी भी आम नागरिक को जाने की इजाजत नहीं है। प्रत्यक्षदर्शी राकेश मिश्रा ने भी प्लेन क्रैश के बारे में बताया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया पूरा प्लेन आग के गोले में तब्दील हो चुका था। मंजर देखकर लग रहा था कि किसी का भी बच पाना मुश्किल ही है। आसपास के लोग भी कुछ भी करने की स्थिति में नहीं थे, क्योंकि यह प्लेन आग के गोले में बदल चुका था। ऐसी स्थिति में कुछ भी नहीं किया जा सकता था। वे बताते हैं कि हादसे के बारे में जानकारी मिलने के बाद फौरन पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी। लेकिन, कुछ भी नहीं किया जा सकता था, क्योंकि तब तक बहुत बड़ा हादसा हो चुका था। हमें इस बात का बहुत दुख है।

जोरदार धमाके की सुनी आवाज

घटनास्थल से महज 500 मीटर दूर रहने वाले प्रत्यक्षदर्शी सूरज भाई बताते हैं कि हमें जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके बाद हम सभी घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। लेकिन, कुछ कर पाना मुश्किल था। अभी घटनास्थल से शवों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। बोले, मेरी 54 साल की उम्र है। मैं अपनी जिंदगी में कभी ऐसा हादसा नहीं देखा था। यह हमारे लिए ब्लैक डे के जैसा है। जिसे हमें अपनी जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे। बता दें कि गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को एयर इंडिया का विमान टेकऑफ के दौरान क्रैश हो गया था। इस विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें से 241 लोगों की मौत की पुष्टि एयर इंडिया की तरफ से की जा चुकी है और एक शख्स बच गया है, जिसका अभी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

प्लेन के अंदर की अंतिम तस्वीर

ये एक डॉक्टर दंपति के परिवार की अंतिम तस्वीर है। गुजरात के इस चिकित्सक की पत्नी भारत में अपनी नौकरी छोड़कर अपने पति के साथ लंदन में शिफ्ट होने जा रही थीं। उनके साथ उनकी एक मासूम बेटी व दो बेटे भी जा रहे थे। पर अफसोस काल ने उनकी जिंदगियों को छीन लिया।

मणिपुर की दो क्रू मेंबर्स की भी मौत

अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त होने वाले एयर इंडिया विमान में मणिपुर की दो केबिन क्रू मेंबर शामिल थीं। दोनों की इस हादसे में मौत हो गई। उनकी पहचान 20 वर्षीय कोंगबरीलात्पम नगंथोई शर्मा और 26 वर्षीय लमनुंथेम सिंगसन के रूप में की गई। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इन दोनों की मौत की पुष्टि की। एन बीरेन सिंह ने पोस्ट में लिखा, ये बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मणिपुर की दो युवा केबिन क्रू सदस्य, कोंगराबैलाटपम नगंथोई शर्मा और लैमनुनथेम सिंगसन, अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे में अपनी जान गंवाने वालों में शामिल थीं। दोनों बेहद जीवंत और समर्पित थीं। उनका अचानक चले जाना उनके परिवारों, दोस्तों और हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और उनके प्रियजनों को इस अकल्पनीय दर्द से उबरने की शक्ति मिले।

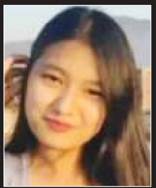

व्हिसलब्लोअर की चेतावनी सुनी होती तो टल सकता था हादसा

एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के हादसे ने भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों को हिला दिया है। यह एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान था। इस विमान की सुरक्षा को लेकर एक व्हिसलब्लोअर ने कुछ साल पहले ही सख्त चेतावनी दी थी। अब उस चेतावनी पर सबकी नजर जा रही है। यह बदकिस्मत विमान अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर चुका था। विमान में क्रू मेंबर समेत कुल 242 लोग सवार थे। इनमें से एक को छोड़कर कोई नहीं बचा है। गुरुवार को टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद एयर पोर्ट के पास ही यह विमान एक मेडिकल कॉलेज के होस्टल पर गिर गया। यह विमान अचानक नीचे आने लगा और मात्र 34 सेकंड में तबाह हो गया। एविएशन एक्सपर्ट्स विमान हादसे की वजह खोज रहे हैं। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर को टेक्नोलॉजी का बेहतरीन नमूना तो माना जाता है लेकिन, सुरक्षा को लेकर सवाल भी उठते रहे ।

विमान हादसे की न्यायिक जांच हो : खरगे

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि इस हादसे की न्यायिक जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। खरगे ने कहा कि रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में इस हादसे की जांच होनी चाहिए।

अखिलेश ने तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भले ही यह एक बड़ी दुर्घटना है, लेकिन इसमें कोई जान-माल का नुकसान न हो। हमारे पायलट भी सुरक्षित रहें, यही मेरी प्रार्थना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के बारे में तत्काल स्पष्टीकरण की बृहस्पतिवार को मांग की। इस दुर्घटना में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''अहमदाबाद प्लेन क्रश का तुंरत स्पष्टीकरण आए जिससे आशंकाओं का उन्मूलन हो सके।'

'गहन जांच' की जाए : फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर बृहस्पतिवार को दुख व्यक्त किया और घटना की गहन जांच किए जाने की मांग की। अब्दुल्ला ने कहा, कि मुझे लगता है कि कई वर्षों में यह पहली बार है जब हमारे देश में ऐसी कोई त्रासदी हुई है। मैंने सुना है कि जब विमान ऊंचाई पर था, तब बिजली संबंधी समस्या हो गई। यह एक इमारत से टकराया और भगवान ही जानते हैं कि इमारत के अंदर कितने लोग बचे। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

हादसे में जिंदा बचे एकमात्र यात्री से मिले प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने सिविल अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। उन्होंने विश्वास कुमार से भी मुलाकात की, जो इस विमान हादसे में जिंदा बच गए। विश्वास ने कहा कि मैं विमान से कूदा नहीं था बल्कि सीट समेत विमान से बाहर आ गया था।

पीएम ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की । इस बैठक में गुरुवार को हुए हादसे से जुड़ी जानकारी ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी के परिवारवालों से मुलाकात भी की।

लापरवाही या टेक्निकल फॉल्ट, अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद उठने लगे सवाल

हमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ एअर इंडिया का बोइंग ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार सुबह 10.07 बजे दिल्ली के आईजीआइ एयरपोर्ट से रवाना हुआ। किसी ने नहीं सोचा था कि यह उसकी अंतिम यात्रा साबित होगी। इसी विमान ने अहमदाबाद से लंदन के लिए लंबी उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के दौरान यह हादसे का शिकार हो गया। एविएशन एक्सपर्ट पूरे दिन इस घटना के कारणों पर कयास लगाते रहे। सभी ने विमान की देखरेख में हुई चूक को संभावित कारण बताया है। सूत्रों के अनुसार, विमान की हर लैंडिंग के बाद इंजीनियरों की टीम जांच करती है। विशेषकर जब विमान अंतरराष्ट्रीय रूट पर लंबी दूरी के लिए उड़ान भरता है, तो जांच और भी बारीकी से की जाती है। ड्रीमलाइनर ने नई दिल्ली से एआई423 बनकर निर्धारित समय से लगभग 17 मिनट की देरी से सुबह 10:07 बजे उड़ान भरी। विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 11:16 बजे लैंडिंग की। इसके बाद इसकी अगली उड़ान 1:10 बजे निर्धारित थी, लेकिन विमान 28 मिनट की देरी से 1:38 बजे रवाना हुआ। इस प्रकार, लैंडिंग और टेकऑफ के बीच 2:22 घंटे का अंतराल रहा, जिसमें लगभग आधे घंटे का समय लैंडिंग प्रक्रिया और बे-एरिया से क्लियरेंस में लगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।